बी०आर०ए० बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

एम्०फिल्० (संस्कृत)

पूर्णाङ्क-100 **प्रथम सेमेस्टर** समय- 3 घंटे

पाठ्यक्रम-I (पत्र-1) शोधप्रविधि एवं कम्प्यूटर

खण्ड-'क'

- अनुसन्धान का स्वरूप
- अनुसन्धान एवम् आलोचना, समीक्षा, विमर्श
- संस्कृत शोध के उद्येश्य एवं क्षेत्र
- विषयनिर्वाचनपद्धति
- शोधप्रबन्ध की रूपरेखानिर्माणपद्धति
- शोध के घटक तत्त्व एवं शोधपद्धति
- सामग्रीसंकलन - मुख्यस्रोत, गौणस्रोत, पत्रपत्रिकाएँ इत्यादि
- अनुसन्धान के साधन
- पाठालोचन
- सन्दर्भग्रन्थसूचीनिर्माण की प्रक्रिया
- परिशिष्ट
- शब्दानुक्रमणिका
- पाण्डुलिपिविज्ञान का सामान्यपरिचय

खण्ड-'ख'

- कम्प्यूटर का सामान्यपरिचय
- कम्प्यूटर के कार्य
- एम0एस0 विण्डो
- ऑपरेटिंग सिस्टम
- एम0एस0 वर्ड
- एम0एस0 एक्सेल
- पावर प्वाइंट
- डाटा समूह
- इन्टरनेट

- प्रतिखण्ड दो-दो दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न - 4×15=60 अंक
- प्रतिखण्ड एक-एक टिप्पणी - 2×5=10 अंक
- आन्तरिक मूल्याङ्कन - 30 अंक

18.12.18

18.12.2018

Head
University Deptt. of Sanskrit
B.R.A. Bihar University
Muzaffarpur

बी०आर०ए० बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

एम्०फिल्० (संस्कृत)

प्रथम सेमेस्टर,

पाठ्यक्रम-II (पत्र-II) इतिहास और परम्परा

पूर्णाङ्क-100 समय- 3 घंटे

इकाई - 1

(i) वैदिक साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थों का विवरण

(ii) वेदों का परिचय एवं वर्णित विषय

(iii) सायण, महीधर, विश्वबन्धु, आर.एन. दाण्डेकर, स्वामी दयानन्द, मैक्समूलर, ग्रिफिथ, विल्सन, हिलब्राण्ट का परिचय एवं उनके कार्य।

इकाई - 2

(i) लौकिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख इतिहासग्रन्थों का विवरण

(ii) बृहत्त्रयी, लघुत्रयी काव्यों एवं नीतिकाव्यों का परिचय एवं वैशिष्ट्य

(iii) महाकाव्य, रूपक, पद्यकाव्य, चम्पूकाव्य, दूतकाव्य आदि का उदभव और विकास।

(iv) वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, माघ, भारवि, श्रीहर्ष, भास आदि काव्यकारों का परिचय एवं संस्कृतसाहित्य हेतु उनके योगदान

- प्रति इकाई दो-दो दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न - 4×15=60 अंक
- प्रति इकाई एक-एक टिप्पणी - 2×5=10 अंक
- आन्तरिक मूल्याङ्कन - 30 अंक

18.12.2018

18.12.18

Head
University Deptt. of Sanskrit
B.R.A Bihar University
Muzaffarpur

बी०आर०ए० बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

एम्०फिल्० (संस्कृत)

प्रथम सेमेस्टर,

पाठ्यक्रम-III (पत्र-III) संस्कृत भाषाशास्त्र एवं काव्यशास्त्र

पूर्णाङ्क-100

समय- 3 घंटे

इकाई - 1

(i) संस्कृत काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों का विवरण

(ii) रस,अलंकार, रीति, ध्वनि, औचित्य और वक्रोक्ति सम्प्रदायों का परिचयात्मक विवरण, काव्यात्मकविषयक चिन्तन, शब्दशक्तियाँ, गुण एवं दोष

(iii) काव्यरसविषयक शास्त्रीयचिन्तन (रसस्वरूप, निष्पत्ति, रससिद्धांत एवं रसभेद)

(iv) प्रमुख काव्यशास्त्रियों का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व (भरत, भामह, वामन, आनन्दवर्धन, मम्मट, भोज, अभिनवगुप्त, धनञ्जय, धनिक, जयदेव, पण्डितराज जगन्नाथ, अप्पयदीक्षित, कुन्तक एवं विश्वनाथ)

इकाई - 2

(i) संस्कृतव्याकरण का इतिहास

(ii) पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि, भर्तृहरि, नागेशभट्ट एवं भट्टोजिदीक्षित का संस्कृत व्याकरण में योगदान

(iii) संस्कृत भाषा में कारक, सन्धि एवं समास का विवरणात्मक परिचय।

- प्रति इकाई दो-दो दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न - 4×15=60 अंक
- प्रति इकाई एक-एक टिप्पणी - 2×5=10 अंक
- आन्तरिक मूल्याङ्कन - 30 अंक

18.12.2018

18.12.18

Head
University Deptt. of Sanskrit
B.R.A. Bihar University
Muzaffarpur